



अमेरिका के ओरेगन में स्कूल में गोलीबारी, तीन बच्चों समेत चार मारे गए

वाशिंगटन
ओरेगन के बेंड स्थित सिल्वर रेल एलिमेंट्री स्कूल में हुई गोलीबारी में कम से कम तीन बच्चों और एक वयस्क की मौत हो गई। बताया गया है कि 16 वर्षीय संदिग्ध को भी वहां मौजूद एक व्यक्ति ने गोली मार दी। बाद में उसकी मौत हो गई। ओरेगन अमेरिका के पश्चिमी भाग (पश्चात उत्तर-पश्चिम क्षेत्र) का प्रमुख राज्य है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बेंड पुलिस की प्रवक्ता शीला मिलर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कम से कम दो लोगों को सेंट चार्ल्स मेडिकल सेंटर ले जाया गया है। पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं। मिलर ने कहा कि पीड़ितों की कुल संख्या अभी स्पष्ट नहीं है।

मिलर ने बताया कि पहले पुलिस को एक कार मिली, जिसमें बताया गया कि एक व्यक्ति कार पर गोलीबारी कर रहा है। पुलिस के बयान के अनुसार, लगभग एक मिनट बाद 911 पर कई काल आई, उसमें बताया गया कि वह व्यक्ति स्कूल के अंदर घुस गया है और गोलीबारी शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि पुलिस तीन मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गई। कुछ देर बाद साफ हुआ कि हमलावर मारा गया है। मिलर ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि संदिग्ध को किसने गोली मारी।

उन्होंने कहा कि हो सकता है कि वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने उसे गोली मारी हो। उन्होंने कहा कि स्कूल और पास के चर्च के पास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में तीन बच्चों और एक वयस्क की मौत हो गई। हत्यारा भी ढेर कर दिया गया है।

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बताया कि एजेंसी के स्थानीय अधिकारों भी मौके पर पहुंचे। बताया गया है कि

इस घटना के विरोध में जिले के सभी स्कूलों में कक्षाएं और खेल गतिविधियां रद्द रहेंगी। बेंड-ला पाइन स्कूल्स के अधीक्षक स्टीवन कुक ने कहा, हम इस त्रासदी से स्तब्ध और गहरे सदमे में हैं। हम पीड़ितों के परिवारों और इस हिंसा से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

बेंड मध्य ओरेगन में स्थित है। यह पोर्टलैंड से लगभग 150 मील दक्षिण-पूर्व में है। के-12 स्कूल श्रृंखला डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल अमेरिका के के-12 स्कूलों में गोलीबारी की 235 घटनाएं हुईं। इस साल अब तक कम से कम 149 घटनाएं हो चुकी हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल में बाढ़ का असर, मुद्रास्फीति बढ़कर 6.34% पहुंची, राहत की उम्मीद कम



काठमांडू। नेपाल में बाढ़ के कारण अक्टूबर में महंगाई और बढ़ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 6.34 प्रतिशत पहुंच गई है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा था, लेकिन वित्त वर्ष की शुरुआत से ही महंगाई दर इस लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में मुद्रास्फीति 5.96 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 6.34 प्रतिशत हो गई। वहीं, पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में मुद्रास्फीति महज 1.87 प्रतिशत थी। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि से भी नेपाल में पिछले फरवरी से महंगाई बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में फरवरी में मुद्रास्फीति 4.47 प्रतिशत, मार्च में 5.04 प्रतिशत, अप्रैल में 5.04 प्रतिशत, मई में 5.22 प्रतिशत और जून में 5.14 प्रतिशत रही थी। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल के मुताबिक, महंगाई बढ़ने में मुख्य रूप से भोटेकोशी बाढ़ की भूमिका है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अक्टूबर में अचानक महंगाई में भारी उछाल नहीं आया, बल्कि पिछले वित्त वर्ष के अंतिम महीनों से ही इसमें लगातार वृद्धि हो रही थी। इसके पीछे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह के कारण जिम्मेदार थे। पौडेल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न युद्धों, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल हुई समस्याओं का असर पड़ा। वहीं, घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण भी महंगाई पहले से ही बढ़ रही थी।

बांग्लादेश में पत्रकार की गोलीमार की हत्या

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में नेत्रकोना के दुर्गापुर उपजिला में पत्रकार की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उन्हें कोलमाकांडा नगरपालिका के श्यामराज-बिरिशिरी रोड पर स्थित उत्रैल बाजार में गोली मारी गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि आईपीटीवी मीडिया के समाचार चैनल रूपोशी बांग्ला के नेत्रकोना संवाददाता लुत्फुज्जमान अलीफ फकीर की हत्या की जांच की जा रही है। उनका फेसबुक पेज डिटेक्टिव आर्टिकल चर्चित था। वह इस पेज पर अनियमितताओं और अपराध के बारे में लिखते थे। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, अलीफ एक दुकान पर बैठे थे, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग वहां आए और उन पर कई गोлияं चलाईं। इसके बाद हत्यारे फरार हो गए। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गए।

इराक ने अमेरिका-इजराइल विरोधी खजाली को उप प्रधानमंत्री बनाया

बगदाद (इराक)। इराक की संसद ने ईरान समर्थित असाएब अहल अल-हक समूह के सदस्य लैथ अल-खजाली उप प्रधानमंत्री बनाए जाने को मंजूरी दे दी। लैथ अल-खजाली को अमेरिका और इजराइल का कट्टर विरोधी माना जाता है। अमेरिका इस समूह को आतंकी संगठन घोषित कर चुका है। इसी के साथ प्रधानमंत्री अली अल-जैदी की सरकार का गठन पूरा हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया जब इराक, ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध के नतीजों से जूझ रहा है। सांसदों ने तीन उप प्रधानमंत्रियों और 11 मंत्रियों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। इनमें रक्षामंत्री के रूप में नायेफ अल-शम्मरी और गृहमंत्री के रूप में यासिर अल-मलिकी शामिल हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, लैथ अल-खजाली इस समूह के नेता कैस अल-खजाली के भाई हैं। अमेरिका ने 2020 में असाएब अहल अल-हक को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। साथ ही, अमेरिका ने इन दोनों भाइयों को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी करार दिया था। अमेरिका ने इसके पीछे हमलों का हवाला दिया, जिनमें 2007 का एक हमला भी शामिल है, जिसमें पांच अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। प्रधानमंत्री अल-जैदी ने कहा कि उनकी सरकार को युद्ध के कारण पैदा हुई गंभीर आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। युद्ध से पहले इराक होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते रोजाना लगभग 35 लाख (3.5 मिलियन) बैरल तेल का निर्यात करता था। इससे सरकार को 90 प्रतिशत राजस्व प्राप्त होता था। उन्होंने गैर सरकारी सशस्त्र समूहों से हथियार वापस लेने और अमेरिकी सेना की पूरी तरह से वापसी सुनिश्चित करने का भी वादा किया है। असाएब अहल अल-हक को अरबी में लीग आफ द राइटियस (सच्चे लोगों का संघ) कहा जाता है।

दो अमेरिकी सीनेटरों ने सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौते को रोकने पेश किया प्रस्ताव

मार्के ने चेतावनी दी यह समझौता पहले से ही अस्थिर क्षेत्र को और अस्थिर कर सकता है

वाशिंगटन

अमेरिका के दो डेमोक्रेट सीनेटरों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सऊदी अरब के साथ असेन्य परमाणु सहयोग समझौते को रोकने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी कि इस डील में मध्य पूर्व में परमाणु हथियारों की होड़ को रोकने के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय नहीं हैं। ओरेगन के सीनेटर जेफ मर्कले और मैसाचुसेट्स के सीनेटर एडवर्ड मार्के ने असहमति का संयुक्त प्रस्ताव पेश किया है, जिससे 29 नवंबर के बाद सीनेट में वोटिंग का रास्ता साफ हो जाएगा, इससे पहले कि प्रस्तावित समझौता लागू हो। यह कदम रियाद के साथ प्रशासन की परमाणु कूटनीति के लिए एक चुनौती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संघीय कानून के तहत कांग्रेस के पास समझौते की समीक्षा के लिए 90 दिन का समय है। जब तक कांग्रेस इसे रोकने का प्रस्ताव नहीं अपनाती, तब तक समीक्षा अवधि के बाद समझौता लागू हो सकता है। सीनेट विदेश संबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य मर्कले ने कहा कि सऊदी अरब को असेन्य परमाणु तकनीक हस्तांतरित करने से पहले अमेरिका को मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को अमेरिका को असेन्य परमाणु ऊर्जा तकनीक तक पहुंच देना, बिना इस बात की पुष्टि की जा रही है कि यह प्रस्तावित समझौता पहले से ही अस्थिर क्षेत्र को और अस्थिर कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह डील मध्य पूर्व में परमाणु हथियारों होड़ की शुरुआत है। कांग्रेस को इसे खारिज करना चाहिए। सीनेटरों का तर्क है कि समझौता दो जरूरी सुरक्षा उपायों को पूरा नहीं करता। पहला है असेन्य परमाणु सहयोग के लिए तथाकथित गोल्ड स्टैंडर्ड, जिसके तहत प्राप्तकर्ता देश यूरेनियम को समृद्ध नहीं करने या खर्च किए गए परमाणु ईंधन को पुनः संसाधित नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध



उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में पनडुब्बी से दो रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का किया परीक्षण, दावा- मिसाइलों दामने से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में पनडुब्बी से लान्च होने वाली दो तरह की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। यह परीक्षण दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जहां हाल के दिनों में सीमा पर बारूदी सुरंग विस्फोट और दोनों देशों द्वारा मिसाइल और हाइड्रसोनिक हथियारों के परीक्षण देखे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस सैन्य अभ्यास का मुख्य मकसद समुद्र के अंदर तैनात लड़ाकू प्रणालियों की मौजूदा युद्ध तैयारी को परखना था। रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि टेस्ट से देश की रक्षा और दुश्मन को हमले से रोकने की क्षमता की विश्वसनीयता साबित हुई है। मिसाइलें दामने से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है। जारी तस्वीरों में एक मिसाइल समुद्र से सीधे ऊपर उठती दिखाई दी, जिसके पीछे धुएं का घना गुबार था, जबकि दूसरी तस्वीर में एक प्रोजेक्टाइल पानी से करीब 45 डिग्री के कोण पर निकलता नजर आया। अन्य तस्वीरों में समुद्र के ऊपर क्षैतिज दिशा में उड़ती मिसाइल और पानी की सतह पर चलती एक पनडुब्बी भी दिखाई गई, जो उत्तर कोरिया की पनडुब्बी से मिसाइल दामने की क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मिसाइल परीक्षण ऐसे समय में हुआ है, जब उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच तनाव चरम पर है।

होता है। दूसरा है अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अतिरिक्त प्रोटोकाल का पालन, जो निरीक्षकों को अघोषित परमाणु गतिविधियों का पता लगाने में मदद के लिए व्यापक पहुंच प्रदान करता है। सीनेटरों के मुताबिक इन शर्तों के अभाव में अन्य क्षेत्रीय शक्तियों को भी इसी तरह की रियायतें मांगने के लिए प्रोत्साहन

मिल सकता है। उन्होंने विशेष रूप से यूएई का हवाला दिया, जिसके वाशिंगटन के साथ परमाणु सहयोग समझौते में संवेदनशील परमाणु गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध शामिल थे। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि अगर सऊदी अरब को ऐसी क्षमताओं की अनुमति दी गई जो तेहरान को नहीं दी गई।

नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के लिए 333 करोड़ के राहत कार्यक्रम मंजूर, 487 करोड़ के प्रस्ताव विचाराधीन



काठमांडू। नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों (आईएनजीओ) ने 333 करोड़ रुपये के कार्यक्रमों को मंजूरी दिलाई है। इन कार्यक्रमों को महिला, बालबालिका, लैंगिक एवं यौनिक अल्पसंख्यक तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय के अंतर्गत समाज कल्याण परिषद से स्वीकृति मिली है। समाज कल्याण परिषद के मुताबिक भोटेकोशी बाढ़ पीड़ितों को लक्षित करते हुए अब तक 318 एनजीओ ने 321 कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई है। इन सभी कार्यक्रमों का कुल बजट 3 अरब 33 करोड़ 62 लाख 72 हजार 958 रुपये है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत और प्रतिक्रिया संबंधी कार्यों के लिए आईएनजीओ ने 149 से अधिक परियोजनाओं के तहत 128 करोड़ रुपये के कार्यक्रमों को परिषद से मंजूरी दिलाई है। इसके अतिरिक्त 13 आईएनजीओ ने भोटेकोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए 487 करोड़ रुपये के कार्यक्रम प्रस्तावित किए हैं। ये प्रस्ताव फिलहाल स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं।

अमेरिकी एयर डिफेंस की विफलता उजागर न हो और जनता का मनोबल बना रहे

तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एक चौंकाने एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि ईरान और उसके प्राक्सी लड़ाकों ने खाड़ी देशों पर कम से कम 135 मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे 84 बहुत ही संवेदनशील ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इन हमलों से संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह पोर्ट, कतर के रास लफ्फान गैस काम्प्लेक्स और बराका न्यूक्लियर प्लांट जैसे अहम ठिकाने इससे प्रभावित हुए, लेकिन खाड़ी देशों की सरकारों ने इन धावों को दुनिया से छुपाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और उसकी प्राक्सी ताकतों ने खाड़ी के अरब देशों के तेल



इंफ्रास्ट्रक्चर, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और पावर प्लांट्स को सुनिश्चित तरीके से निशाना बनाया है। फुजैराह पोर्ट पर तो अकेले 19 बार हमला किया गया, जिसमें 2.5 लाख बैरल तेल क्षमता वाले तीन बड़े टैंकरों में आग लग गई। इस तबाही के कारण फुजैराह से रिफाईंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात करीब एक महीने तक ठप रहा। इसी तरह कतर के रास लफ्फान औद्योगिक परिसर में गैस को तरल बनाने वाली मुख्य मशीनरी के दो बड़े कोल्ड बाक्स तबाह हो गए, जिससे एक समय दुनिया की कुल 20फीसदी एलएनजी आपूर्ति खतरे में पड़ गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे चिंताजनक खुलासा यूएई के बराका न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर हुआ, जहां परिसर के अंदर स्थित एक इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बिल्डिंग पर सीधे हमला हुआ। इस हमले से प्लांट के एक रिएक्टर की मुख्य बिजली लाइन ठप हो गई, जिसके बाद उसे इमरजेंसी डीजल जनरेटरों के सहारे चलाया पड़ा। हालांकि प्लांट आपरेटर ने

परमाणु सुरक्षा कायम रहने का दावा किया है, लेकिन एक परमाणु संयंत्र तक मिसाइल या ड्रोन का पहुंचना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। इन हमलों के बाद जब भी किसी तेल डिपो या एयरपोर्ट से धुएं का गुबार उठता, खाड़ी देश तुरंत आधिकारिक बयान जारी कर कहते कि इंटरनेट की गई मिसाइलों और ड्रोंस का मलबा गिरने से मामूली नुकसान हुआ है। रक्षा विशेषज्ञों और इंजीनियरों द्वारा सैटेलाइट तस्वीरों और मलबे की जांच के बाद सरकारी दावों की पोल खुल गई। विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि यह भारी नुकसान किसी भी हालत में मलबे गिरने से नहीं हो सकता था। खाड़ी देशों ने इन हमलों के सच को कई कारणों से छुपाया है। अमेरिका से खरीदे गए अरबों डॉलर के एयर डिफेंस सिस्टम की विफलता उजागर न हो, और अपनी जनता का मनोबल बना रहे। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि हतियारों के इस अघोषित युद्ध ने खाड़ी देशों को हिलाकर रख दिया है।

यमन के राष्ट्रपति महल पर हूती का हमला, प्रधानमंत्री बाल-बाल बचे, पांच की मौत, 16 घायल

अदन (यमन)/रियाद (सऊदी अरब)

ईरान समर्थक आतंकी समूह हूती ने देश के अदन शहर में अल-माशिक राष्ट्रपति महल को निशाना बनाया है। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 16 लोग अन्य घायल हो गए। यमन के स्वास्थ्यमंत्री कासिम मोहम्मद बूहेबेह ने इसकी पुष्टि की। देश में इस समय हूती और सरकारी बलों के बीच घमासान मचा हुआ है। यमन सरकार का कहना है कि अदन के अल-माशिक राष्ट्रपति भवन पर हुए हूती के मिसाइल हमले में प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्य बाल-बाल बच गए।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, अदन में सऊदी दुश्मन के युद्ध संचालन मुख्यालय पर बमबारी, सऊदी की गतिविधियों को कहीं भी निशाना बनाने की हमारी घोषित नीति का हिस्सा है। हम सऊदी दुश्मन की किसी भी सैन्य मौजूदगी को चाहे वह कहीं भी हो अपने खिलाफ मानते हैं।

यमन की राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल-अलीमी ने इस हमले को यमन और सऊदी अरब में हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर हुए हमलों की शृंखला बताया है। अल-अलीमी ने सरकारी बलों को निर्देश दिया है कि वे सरकारी संस्थानों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम



उठाए। उन्होंने कहा कि इस महीने शुरू किया गया यमन उदय अभियान अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य सरकारी संस्थानों को बर्बाद करना और पूरे राष्ट्रीय क्षेत्र में सरकारी अधिकार का विस्तार करना है, ताकि राजधानी सना तक पहुंचा जा सके।

अल अरबिया के अनुसार, यमन के युवा मामलों के मंत्री नायेफ सालेह अल-बकरी ने बताया कि अदन में मौजूद सभी मंत्री सुरक्षित

हैं। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद भी प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी अदन छोड़कर नहीं जाएंगे। इस बीच, यमन की सरकारी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में उन्होंने हूती ठिकानों पर 1,250 हमले किए हैं। सरकारी बलों के प्रवक्ता माजद अल-जूबैली ने एक्स पर कहा कि इन अभियान में लड़ाकू विमानों, ड्रोन, तोपखाने और राकेट लांचरों का इस्तेमाल किया गया।



आज का राशिकफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लु,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। वच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न याने। दिन की शुरुआत फले ही थोड़ी धकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे गुलती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुजरेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकर्षक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ायम में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुम्किन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शास्त्र आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,छ,झ,के,को,ह

अगर मुम्किन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमजोर हैं और ज़ेम्मे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। पत्नियंत्र में अगर आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपके दोस्ती करना चाहते हैं और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पर-होती की काफ़ी संभावना है। इस निहाज को आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए प्यारे समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,खू,डे,डो

आज का दिन मौज़-मस्ती और आनन्द से भरा होगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह ज़िपों। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देते से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने ऑफ़-क़ान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई कीमती बात या विचार चला जाए। अपने ज़रूरी कामों को निपटकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,दू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देंगे हैं, तो खुद लम्बे के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बितानाएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को वक़ाए आज आप अकेले वक़्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिन्ताएँ हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

आज आपको बेजजह पैसा खर्च करने से खुद को तनका चाहिए नहीं तो जरूरत के समय आपको पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में सम्मान का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर-सपाट पर जाने समय किसी को पूरी ग़ुलाह से जिए। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दुवाब में न आएं। आप ख़ानी समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चोट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुल-दुलत रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ खरीदने से पहले उन चीज़ों का इन्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मजेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लचक मिलेगा। ख़ाली समय का गुन अणद उठाने के लिए आपको लोगों में दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,नू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सहेत और खिलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नवी साप्ताहिकी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप ख़ुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फ़ायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दुख़ल-अन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी ख़ड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,म,मी,मू,घा,फा,बा,मे

आज सफलता का मन यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने वच्चों से कुछ सबक सीखने वाले हैं। उनकी मासुमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक़्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपको पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दूरियां में खुद को सबसे रहस्य महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – मो,ज,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुम्किन है कि आपका धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी झुझझु से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। नये पार-दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप शलत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सहेत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं दिकेगा, आपको धन संभाल करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जिनका आपने सोचा है, जो आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दुस्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम वक़ती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक़्त की नाज़ाक़त को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकल में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,अ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी किज़लख़ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। ज़िन्दगी में चल रही आपाधापी के बीच आप आपको अपने लिए समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अक्टूबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी अहोरात्र
नक्षत्र : मूल प्रातः 09:47 तक
योग : अतिगंड रात्रि 11:02 तक
करण : गर रात्रि 07:13 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:59 (बंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:45 (विजयवाडा)
शुभ योगोड्डा
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अशुभ : 03:00 से 04:30
रहस्यकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिवालयुग : पूरु दिवा
उपवा : उद्ध शकन वाचा का आरंभ करें
दिन विग्रह : वक्राक्षि युक्ता , राक्षसपूतः 09:47 तक , तुषा संक्रांति 07:43 से , संक्रांति पुष्यकाल दोषहृ 12:24 से रात्रि 01:43 तक
* पांडित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान ,
भागवत कथा एवं मूल पारायण ,
वास्तुशान्ति , गृहप्रवेश ,शतघंडी , विवाह ,
कुंडली मिलान , नवग्रह शान्ति , ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फ़क़ड का मन्दिर , रिकारंगंज ,
हैदराबाद , (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थानी जागृति समिति का वस्त्र संग्रहण शिविर शुरू

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर शुक्रवार को सिद्धिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में शुरू हुआ। शिविर का उद्घाटन अग्रवाल समाज, अत्तापुर के कोषाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने वीरेंद्र अग्रवाल का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रिद्धिशा जागीरदार तथा विशेष अतिथि अशोक कुमार हीरावत जैन, गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण और श्री अयोध्या राम चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन स्वामी कमलेश महाराज

योग्य पुराने कपड़े, अनाज, बर्तन और घर में उपयोग होने वाले अन्य सामान जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने में सहायक होगा। विशेष अतिथि स्वामी कमलेश महाराज और गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता ने तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों में सामग्री वितरण के लिए सहयोग देने की बात कही। अशोक कुमार हीरावत जैन ने भी अपनी ओर से सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि समिति वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण कर रही है। इसी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी शिविर का आयोजन

पेढापल्ली में केटीआर का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री के. तारक रामाराव (केटीआर) का पेढापल्ली बस स्टैंड चौक पर युवा नेता दासारी मनोहर रेड्डी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। गोदावरीखानी में आयोजित सिंगारेनी कर्मिका गर्जना महासभा में शामिल होने जा रहे केटीआर के स्वागत में पेढापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न गांवों और मंडलों से हजारों बीआरएस नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। इस दौरान गुलाबी झंडों और 'जय तेलंगाना, जय केसीआर, जय केटीआर' के नारों से क्षेत्र गुंज उठा।

पत्रकारों पर कथित पुलिस हमले के आरोपी अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कार्यकर्ता पत्रकार संघ के संस्थापक औरेली मल्लेश और कटकुरी मल्लेश ने पत्रकारों पर कथित थर्ड डिग्री के इस्तेमाल की निंदा करते हुए संबंधित सीआई और एसआई को गिरफ्तार करने तथा उनके खिलाफ एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की।

उन्होंने करीमनगर के सरकारी अस्पताल में उपचार करा रहे एक धाम न्यूज के संपादक पोथुरी शेखर और पत्रकार राठीपल्ली संपत से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। पीड़ितों के अनुसार, 12 अक्टूबर की रात डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेडियम में उन्हें जबरन कार में बैठाकर ले जाया गया, जातिसूचक अपशब्द कहे गए और मारपीट की गई। नेताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर जगतियाल जिला अध्यक्ष कदासी स्वामी, संके राममूर्ति, गसिकंती कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

गरीबों को आवास उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : विवेक वेंकटस्वामी

पेढापल्ली, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला प्रभारी मंत्री डॉ. गदाम विवेक वेंकटस्वामी ने सिद्धिपेट जिले के दुबकाका निर्वाचन क्षेत्र में 2बीएचके मकानों के स्वामित्व प्रमाणपत्र तथा कल्याणलक्ष्मी-शादी मुबारक के चेक वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के घर का सपना साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पात्र बेघर परिवारों को चरणबद्ध तरीके से मकान स्वीकृत किए जाएंगे तथा इंदिराम्मा आवास योजना के तहत भी पात्र गरीबों को लाभ पहुंचाने के कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि सिद्धिपेट जिले में महिला कल्याण योजनाओं के लिए 414 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता बिज्यम् योजना से गरीब परिवार लाभान्वित हो रहे हैं और सरकार चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। किसानों के कल्याण के लिए ऋण माफी योजना भी लागू की गई है।

चिकित्सा दुकानों पर औचक निरीक्षण, नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी

पेढापल्ली, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के आदेश पर एसीपी बी. श्रीनिवास राव के नेतृत्व में औषधि नियंत्रण विभाग, नारकोटिक्स टास्क फोर्स और सीआईएसएफ सतर्कता टीम ने एनटीपीसी पुलिस थाना क्षेत्र की चिकित्सा दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रामाडोल, टैपेंटाडोल, नाइट्रोजेपाम, प्रीगेबलिन, जोल्फिडेम, अल्प्रजोलम और कोडीन युक्त कफ सिरप की बिस्की से संबंधित रिकॉर्ड, डॉक्टरों के पर्चे और बिस्की रजिस्टर की जांच की गई। औषधि निरीक्षक पिटा श्रवण कुमार ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि नियंत्रित दवाओं की बिस्की वैध चिकित्सकीय पर्चे और नियमानुसार ही करें तथा बिस्की का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रतिबंधित दवाओं की अनधिकृत बिस्की या आपूर्ति करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एसआई डीकोंडा रमेश, सीआईएसएफ सतर्कता निरीक्षक बी. प्रसाद रेड्डी, एसआई आर.एस. यादव, हेड कांस्टेबल बी. मुरलीकृष्ण सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।

दुर्गा देवी पूजा में आदित्य ने किया ज्योति प्रज्वलन

मंचेरियल, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व दुर्गा देवी पूजा की 18वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुखराम चौरास्ता स्थित विश्वनाथ कलाक्षेत्र मंडपम में दुर्गा देवी पूजा का आयोजन किया जा रहा है। षष्ठी पूजा के अवसर पर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं गोवा, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश की प्रभारी आदित्य ने ज्योति प्रज्वलन कर अखंड दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में बोदा धर्मेंद्र, अत्ती सरोजा, रीना रानी दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : कैलाश केडिया

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैलाश चंद केडिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानवता की

समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत बनाता है।

कैलाश चंद केडिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नसेवा कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। समूह के सदस्य सेवा को केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि अपने जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार मानते हैं। उनका उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के साथ-साथ समाज में मानवता, करुणा और परोपकार की भावना को जागृत करना है। जब व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करता है, तभी समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत होती है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, भगत राम गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी केडिया, महेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, जगन गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, नंद अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं कृतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सहभागिता निभाते हुए मानवता, परोपकार और सामाजिक सहयोग की भावना को निरंतर आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के नए सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह, सचिव मोहम्मद गजनी, श्रीमती शवाना मोमिन एवं अन्य उपस्थित रहे। पार्टी में शामिल होने वाले नए कार्यकर्ताओं का नेताओं ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। साथ ही, उन्हें पार्टी की रीति-नीति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जगमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की विकास नीतियों से प्रभावित होकर लोग बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने किया निलुफ़र के तीसरे स्टोर का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब ने 16 अक्टूबर 2026 को रोड नंबर 1, बंजारा हिल्स में प्रीमियम एथनिक और ब्रांडडल फैशन बुटीक निलुफ़र के तीसरे स्टोर का उद्घाटन किया।

निलुफ़र की स्थापना निलोफ़र सोहेल और मोहम्मद सोहेल ने की है। पहले से मसाब टैक और आबिडस में स्टोर मौजूद हैं। नया स्टोर ब्रांड के विस्तार में एक और मील का पत्थर है।

निलुफ़र में ब्रांडडल कॉउचर, पारंपरिक एथनिक विवर, इंडो-वेस्टर्न और अवसरों के लिए आधुनिक कपड़े उपलब्ध हैं। संग्रह में लहंगे, शरारे, अनारकली, साड़ियाँ, गाउन और सलवार सूट शामिल हैं। संस्थापक निलोफ़र सोहेल ने कहा, तीसरे स्टोर का उद्घाटन हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मसाब टैक, आबिड्स और अब बंजारा

हिल्स में उपस्थिति से हम ज़्यादा ग्राहकों तक पहुंचेंगे। मोहम्मद सोहेल ने कहा, गुण-वत्ता, बारीक कारीगरी और व्यक्तिगत अनुभव पर हमारा फोकस जारी रहेगा।

निलुफ़र पारंपरिक भारतीय कारीगरी को आधुनिक फैशन के साथ जोड़ता है। बंजारा हिल्स का नया स्टोर हैदराबाद में ब्रांड की उपस्थिति को और मजबूत बनाता है।

फेंगशुई के टोटके

■ कभी भी खाने का आखिरी कौर किसी पार्टी या समारोह में मत खाइये क्योंकि ये आपके लिये गरीबी लाता है और आपके भाग्य को दबाता है।

■ कभी भी टूटी-फूटी क्राकरी में समान न लगाएं। ये नकारात्मक ऊर्जा छोड़ती हैं और आप जो भी उस समय बोलेंगे, आपका बोला हुआ आपको परेशानी में डाल देगा।

■ मेहमानों को चाय देते वक्त केतली के मुंह की नली को मेहमानों की तरफ न रखें। ये आपस में गलतफहमी पैदा करसकता है।

■ अगर प्लॉट या बिल्डिंग का आकार गोल,त्रिभुजाकार या तिरछा हो तो यह एक के बाद एक परेशानियों को खड़ा करता है।

■ शराब पीते समय अगर कोई आखिरी जाम पीने को दे तो मना मत करें क्योंकि ये जाम आपकी घर वापसी के लिए अच्छा है।

तनाव कम करें ध्यान से



क्षमा नहीं करता।'

प्रेक्षाध्यान, ध्यान की उत्कृष्ट पद्धति है। तनावों अथवा दबावों को दूर करने अथवा उनका प्रबंधन करने में प्रेक्षाध्यान एवं उसके विभिन्न अवयव किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, इसका वर्णन प्रस्तुत है-

कायोत्सर्ग: कायोत्सर्ग वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति स्वतः सूचन पद्धति से अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों को विसर्जित करता है। इस प्रक्रिया से शरीर को गहन विश्राम मिलता है, जो शरीर को पुनः ऊर्जामय बनाने में सहायक होता है। स्नायु मंडल सहित शरीर के सभी

संस्थानों को भी गहन विश्राम मिलता है। उनकी क्रियाओं में सुधार आता है और असामान्य क्रियाएं भी सामान्य होने लगती है।

श्वास प्रेक्षा: तनाव की स्थिति में हमारा श्वास अस्तुलित हो जाता है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन का विनिमय भलीभांति नहीं हो पाता है। श्वासप्रेक्षा के अभ्यास से श्वास दीर्घ,लयबद्ध एवं समतल बनता है।

शरीर प्रेक्षा: जब हम शरीर के विभिन्न अवयवों पर चिंत को केंद्रित करते हैं तो मस्तिष्क की शक्तियां उस स्थान पर केन्द्रिभूत हो जाती हैं। इससे वहां पर जो अस्तुलन होता है, वह दूर हो जाता है।

आज के युग को विज्ञान का युग माना जाता है। जीवन के हर पहलु पर विज्ञान का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि आज का युग तनाव का युग है। तनाव का व्यक्ति पर चार प्रकार का प्रभाव पड़ता है-मानसिक, भावनात्मक, मनोशारीरिक एवं शारीरिक।

मानसिक प्रभाव: अवसाद, दुश्चिंता, कुंठाएं आदि व्याधियां उत्पन्न होती है।

भावनात्मक प्रभाव: क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि।

मनोशारीरिक प्रभाव: सिरदर्द, पेट में घाव, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, त्वचीय घाव, अपच, शारीरिक दर्द, थकान आदि।

शारीरिक प्रभाव: शरीर का भार बढ़ जाने या घट जाना, मोटापा, मधुमेह, यकृत में विकृति, हृदयघात आदि।

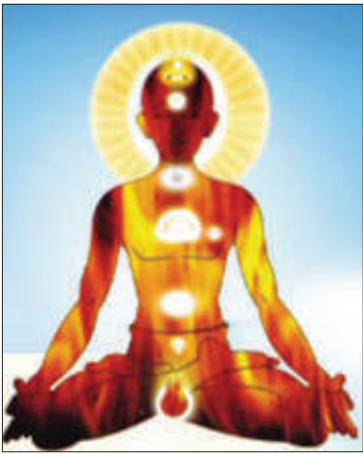
हृदय-रोग से मरने वाले कृषि-मजदूरों की संख्या से बीस गुनी अधिक संख्या हृदय रोग से मरने वाले डॉक्टरों की है। डॉक्टर लोग तनावपूर्ण जीवन बिताते है और उसका खामियाजा वे इस तरह चुकाते है।

इसी संबंध में विलियम जेम्स ने ठीक ही लिखा है, 'भगवान भले ही पापों को क्षमा कर दें किन्तु स्नायु संस्थान हमें किसी भी भूल के लिए

अन्तर्यात्रा

में अंतस की तीव्र रुचि ही मार्ग दर्शाएगी। भीतर चलना आसान नहीं है। वहां न रास्ते हैं न कोई पगडंडी सिर्फ अभीप्सा और प्यास के आधार पर ही चलना है।

जहां प्यास है वहां रास्ते खुल जाते हैं। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब शांतिपूर्वक धीरे-धीरे उस अंधेरे को देखोगे तो अंधेरा कम होता चला जाएगा और आत्मा का प्रकाश प्रगट होगा।



वास्तु दोष निवारण पिरामिड

प्रत्येक राशि का स्वामी कोई न कोई ग्रह होता है। जब कोई ग्रह खराब स्थान पर बैठकर विपरीत प्रभाव उत्पन्न करता है तब मानव को कष्ट, पीड़ा और दुःख भोगना पड़ता है। जीवन के सुख-दुःख, लाभ-हानि इन्ही ग्रहों पर आधारित होते है। इसीलिये हमारे शास्त्रों में नवग्रहों की पूजा करने का विधान दिया गया है। इसके अतिरिक्त हमें जिस मकान, जिस भवन या घर में रहते हैं, वहां का वास्तुदोष भी हमारे लिये अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर देता है, हम इन समस्याओं से निरन्तर जूझते रहते हैं परन्तु यह नहीं समझ पाते कि इसका कारण क्या है। वास्तुदोष से हमारे घर, व्यापार, व्यवसाय, सम्बन्ध आदि सभी कुछ प्रभावित होते हैं। अतः हमें वास्तुदोषों का भी निवारण करना चाहिये। सभी व्यक्ति चाहते हैं कि उनका जीवन सुखमय हो, वे अपना जीवन



अपने परिवार के साथ हंसते खेलते हुए बितायें। परन्तु समय बड़ा बलवान होता है और समय के साथ ही ग्रहों का परिवर्तन हमारे जीवन में विभिन्न बाधायें उत्पन्न कर देता है, रही-सही कसर वास्तुदोष पूरी कर देते हैं और व्यक्ति का जीवन नरक के समान हो जाता है। इसके उपाय के लिए ग्रह-वास्तुदोष निवारण पिरामिड। इस पिरामिड की चारों दिशओं में श्रीयंत्र, अष्टलक्ष्मी यंत्र, वास्तुदोष निवारक यंत्र तथा नवग्रह दोष निवारण यंत्र स्थापित किया गया है। श्री यंत्र से आय में वृद्धि होती है, अष्टलक्ष्मी यंत्र आठों लक्ष्मीयों को प्राप्ति करवाता है, वास्तुदोष निवारण यंत्र वास्तुदोषों का शानन करता है तो नवग्रह दोष निवारण यंत्र ग्रहों के कुप्रभाव एवं ग्रहों के दोषों को शान्त करता है।

बीमारियों को दूर करते हैं ग्रह

लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य को संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्यग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिए सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। नौ ग्रह कारक के रूप में भी शरीर के विभिन्न अंगों को नियंत्रित करते हैं। जैसे सूर्यग्रह हृदय, चंद्रग्रह फेफड़े, मंगल ग्रह रक्त, बुधग्रह त्वचा, बृहस्पति ग्रह लीवर, शुक्र ग्रह किडनी, शनिग्रह पैर, यूरेनस ग्रह द्वारा आसानी से पता न लगने वाली बीमारियां, नेपच्यून ग्रह नर्वस सिस्टम, राहु ग्रह द्वारा सांस, केतु ग्रह द्वारा क्रानिक बीमारियों की जानकारी मिलती है। आरोग्यता के लिए प्राथमिक रूप से जानकारी लगन, लग्नेश एवं कारक सूर्य के द्वारा मिलती है। लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य का संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्य ग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप

रोगों के निदान के लिये सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। इसके कारण बीमारी की अवस्था में भी शीघ्रतापूर्वक स्वस्थ करने में समर्थ प्रदान करते हैं। आमतौर पर मनुष्य में धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के रोग क्रमशः वृद्धावस्था के दौरान बढ़ते जाते हैं। साथ ही कई बीमारियां निम्नरूप से शुरू हो जाती हैं, जिनका कारक ग्रह शनि है, जो कि उम्र के साथ-साथ रोगों की भी वृद्धि करने का सूचक है। अतः जब भी शनि ग्रह जन्म कुंडली में बलशून्य हो जाए अथवा क्लेश ग्रह द्वारा आक्रांत हो जाए तब यह विभिन्न प्रकार के रोगों की उत्पत्ति में सहायक सिद्ध होता है। परन्तु यदि मंगल ग्रह बलशाली हो तब कुछ हद तक इसमें कमी आ सकती है एवं जातक के उत्साह में वृद्धि हो सकती है।

संतान रेखाएं

सामुद्रिक शास्त्र में हथेली का जितना महत्व होता है, उससे अधिक महत्व संतान रेखाओं का भी होता है। जिन्हें हम हथेली पर इस तरह देख सकते हैं।

- विवाह रेखा पर खड़ी रेखा ही संतान रेखा होती है।
- पतली,लंबी और स्पष्ट रेखा पुत्र की द्योतक होती हैं।
- निबल एवं कमजोर रेखा पुत्री की द्योतक होती हैं।
- टूटी हुई एवं अस्पष्ट रेखाएं अशुभता की ओर इशारा करती हैं।
- स्पष्ट खड़ी रेखा का बीच से टूटना अशुभ है।
- पतली खड़ी रेखा का बीच से टूटना शुभ नहीं माना जाता है।

कुछ विद्वान शुक्र पर्वत पर अंगुठे के नीचे की सीधी रेखाओं को भी संतान रेखा मानते हैं, परंतु अधिकांश ज्योतिष विवाह वाली रेखा के ऊपर वाली रेखाओं को ही संतान रेखा मानते हैं। अतः भविष्यवाणी करते समय सभी शास्त्रसम्मत बातों को ध्यान में रखकर ही अनुमान लगाएं।

हस्त रेखा से जानें कैरियर



या अभिनेत्री होने के योग होते हैं।

शिक्षक: जिसके हाथ में जीवन, भाग्य तथा सूर्य रेखाएं विकसित हों, गुरु पर्वत भी विकसित हो और उस पर क्रॉस का चिह्न हो तथा अनामिका से तर्जनी लंबी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

डॉक्टर: जिसकी हथेली में बुध पर्वत पूर्णतः विकसित हो तथा कनिष्ठिका पूरी लंबाई लिए हुए हो और अनामिका के ऊपरी पोर के मध्य तक जाती हो एवं बुध क्षेत्र पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो व्यक्ति डॉक्टर होता है।

अधिकारी:कनिष्ठिका लंबी हो और उसका अंतिम सिर अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर हो और सूर्य रेखा अत्यंत उच्च कोटि की हो तो व्यक्ति अधिकारी होता है।

एकाउंटेर: ऐसे व्यक्ति का बुध पर्वत विकसित तथा ऊंचा उठा हुआ होता है। उसका सूर्य पर्वत भी

उभरा हुआ होता है। उस पर सूर्य रेखा भी स्पष्ट देखी जा सकती है। भाग्य रेखा बिना कहीं से कटे मध्यमा के मूल में स्थित शनि पर्वत पर जा रही हो तो ऐसा व्यक्ति एकाउंटेर होता है।

सैनिक: यदि मंगल क्षेत्र विस्तार लिए हुए हो तथा मंगल पर किसी तारे का चिह्न हो, भाग्य रेखा विकसित तथा स्पष्ट हो, तो व्यक्ति सैनिक बनता है।

व्यवसायी: जो व्यक्ति व्यापार या व्यवसाय करता है उसके हाथ का अंगुठा सीधा तथा पीछे की तरफ किंचित झुका होता है। उसकी मस्तिष्क रेखा सीधी और स्पष्ट होती है एवं बुध पर्वत उभरा हुआ होता है। सफल व्यवसायी के बुध पर्वत पर किसी प्रकार का कोई जाल नहीं होता।

कलाकार: यदि किसी व्यक्ति की हथेली पूरी लंबी, अंगुलियां ढलवां हों और उनके सिरें उकीले हों, तो वह सफल कलाकार होता है।

आर्किटेक्ट बनने के योग

आर्किटेक्ट या प्रोपर्टी डीलर बनने के निम्नलिखित योग हैं-

■ कुंडली का चतुर्थ भाव, चतुर्थेश एवं कारक ग्रह मंगल चतुर्थ भाव में हो अथवा लग्नेश चतुर्थ भाव में हो या लग्नेश चतुर्थेश एक-दूसरे की राशि में बैठे हों और शुभ ग्रहों से दृष्ट हों तो

व्यक्ति कलात्मक भवन निर्माण कला में निपुण होता है।

■ यदि जातक की कुंडली में सूर्य व बुध का संबंध पंचमेश अथवा दशमेश से हो तथा सूर्य-बुध पर मंगल की दृष्टि या युती हो तो जातक आर्किटेक्ट

बनता है।

■ यदि लग्न में कर्क, सिंह, कन्या और वृश्चिक राशि हो, सूर्य चंद्रमा या अन्य लग्न तीनों में से किसी भी लग्न का संबंध इन राशि से हो या फिर लग्न का संबंध सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध और शुक्र होने पर व्यक्ति भवन निर्माण आदि के कार्य से जुड़ सकता है।

■ जैमिनी के अनुसार कारकांश लग्न

से चतुर्थ स्थान पर शुक्र व चंद्रमा की दृष्टि या युती हो तो जातक अपार्टमेंट व बहुमंजिला भवन के नक्शे बनाने व उन्हें तैयार करने में पारंगत होगा।

■ जन्म कुंडली में शनि बली और शुभयुक्त दृष्ट हो तथा मंगल, बुध,शुभ स्थान में शुभ तथा बली हों तो जातक आर्किटेक्ट बन कर आजीविका कमाता है।

■ शनि,मंगल, राहु तथा केतु को

ज्योतिष में तकनीकी ग्रह माना जाता है। दशम भाव या दशमेश से इनमें से किसी एक या अधिक ग्रह की दृष्टि,युती या भावाधिपत्य संबंध जातक को तकनीकी क्षेत्र से जोड़कर आर्किटेक्ट बनाता है।

■ यदि जातक की कुंडली में शुक्र बली हो तो वह कम्प्यूटर के माध्यम से नक्शे तैयार करता है और आर्किटेक्ट होता है।

हाथ की रेखाओं के आधार पर आप अपने कैरियर का चुनाव कर सकते है। हाथ की लकीरों में आपका कैरियर छिपा है। बस आपको अपने हाथ की रेखाओं पर गौर करने की जरूरत है।

वकील एवं न्यायाधीश: यदि आपकी तर्जनी अनामिका से लंबी हो, कनिष्ठिका अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर उठी हो, अंगुलियां सुंदर हों, गुरु पर्वत पूर्ण विकसित हो तथा उस पर क्रॉस का चिह्न हो, यह जातक के वकील बनने का द्योतक है। ऊपर लिखे गुणों के अतिरिक्त यदि व्यक्ति हथेली में भाग्य रेखा निर्दोष, स्पष्ट हो, सूर्य प्रभावशाली हो और अंगूठा लंबा तथा पीछे की तरह झुका हुआ हो तो व्यक्ति न्यायाधीश होगा।

अभिनेता-अभिनेत्री: यदि हाथ की सभी अंगुलियां कोमल तथा ढलवां हों, सूर्य की अंगुली लंबी तथा ऊपर से नोकदार हो और मस्तिष्क एवं भाग्य रेखा पूरी लंबाई लिए हो, तो जातक के अभिनेता

अरबी ज्योतिष एक ऐसी प्रश्न विद्या है जिसमें प्रश्न पूछने और उसके समाधान के वास्ते व्यक्ति के नाम, जन्म-तिथि या मां-बाप के नाम आदि की जरूरत नहीं पड़ती है।

प्रश्न विद्या-रमल

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में जन्म-तिथि, जन्म समय और जन्म स्थान की आवश्यकता होती है। इन सब बातों द्वारा जातक का स्थानीय समय पंचांग की सूक्ष्म गणना कर लग्न आदि निकाल कर कुंडली बनाई जाती है। जन्म कुंडली के आधार पर जातक के भविष्य संबंधी प्रश्नों का जवाब विद्वान द्वारा दिया जाता है। इस शास्त्र में ग्रहों का भी विस्तृत प्रकार से गणित कर फलादेश प्राप्त होता है।

ज्योतिष में गणित और फलित दोनों अलग-अलग है। जो ज्योतिष का विद्वान अपने बुद्धि और विवेक से निर्धारित करता है। जन्म कुंडली में 12 घर होते हैं, जो कि सभी प्रकार की कार्य प्रणाली से संबंधित होते हैं। इसमें सभी प्रकार के प्रश्नों के लिए घरों का समावेश निहित हैं, जबकि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में गणित व फलित एक ही बिन्दु यानी कि शून्य पर आधारित होता है। हालाँकि बुद्धि और विवेक से यह कार्य बड़े ही तर्क संगत रूप से सावधानी से किया जाता है। जो समय आने पर करीब-करीब सटीक होता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के

प्रस्तार यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। चार घर इन्हीं के गवाहन यानी कि साक्षी घर होते हैं, जो कि पूर्व से विद्वानों द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

रमल शास्त्र द्वारा जीवन की प्रत्येक समस्या का समाधान मात्र पासे द्वारा किया जाता है। उक्त पासे को प्रश्नकर्ता के द्वारा पातन किया जाता है। यदि प्रश्नकर्ता रमल ज्योतिष के विद्वान के सम्मुख ना हो तो प्रश्न-फार्म द्वारा भी कार्य संपादित किया जाता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र मूलतह. तत्वों पर आधारित है। तत्त्व चार होते हैं। प्रथम अग्नि, द्वितीय वायु, तृतीय जल और चतुर्थ पृथ्वी तत्त्व हैं। जिसमें जातक के जीवन के स्थावर और जंगम पदार्थों का समावेश किए हुए हैं। रमल ज्योतिष में नौ ग्रह, बारह राशियां, सताईस नक्षत्र भी विद्यमान हैं। जो एक निश्चय स्थिति में कायम रहते हैं और गणित के समय बराबर कारगर बने रहते हैं।



होता है। पूर्वकाल में ऋषि-महर्षि भी पहाड़ों की कन्दराओं और वनों में रहकर तप करते थे।

सिसाडा



फेंगशुई में सिसाडा को अमर बनाने वाला माना जाता है। इसे बुरे समय या भाग्य को बदलने वाला कीट कहते हैं। फेंगशुई विशेषज्ञों के मुताबिक इसे अपने घर में आगे की दो टोंगों के जरिए लाल रिबन के माध्यम से लटकाना शुभ है। सिसाडा को खुशी और युवावस्था का सिंबल माना जाता है। युवाओं को सलाह है कि वह इसे अपने कार्यस्थल के पास जरूर रखें।

पुराने ग्रंथों के अनुसार पूर्वी चीन में स्थित क्यूआई की रानी मृत्यु के बाद सिसाडा में तब्दील हो गई थी। इसके बाद से ही सिसाडा को 'द गर्ल क्यूआई' के नाम से जाना जाता है। इसको घर में रखने से स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार कम से कम 7 सेंटीमीटर के आकार के सिसाडा को ही घर में लटकाना चाहिए।

3 1/4 कप उबाले और आधे कुचले हुए हरी मटर, 2 स्पून तेल, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 2 स्पून कसा हुआ नारीयल, 1 स्पून खट्टा धनिया, 50mm.(2) दालचीनी का टुकड़ा, 1 स्पून जीरा, 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 6 कश्मीरी लाल मिर्च, 6 लहसुन की कलियां, 2 कप पका हुआ टमाटर, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए** 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

- डेल्टा पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- शिवालिंक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पैरामेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

संपादकीय

भारत में 'सूखा'

भारत में 'सूखा' पड़ रहा है। मॉनसून बीते अभी एक माह भी नहीं हुआ, लेकिन देश में 'जल-आपातकाल' के हालात बन गए हैं। करीब 10 साल के अंतराल के बाद 2026 में अब भारत में 'सूखे' की स्थितियाँ स्पष्ट हो चुकी हैं। करीब 70.6 फीसदी हिस्सा, किसी न किसी रूप में, 'सूखे' का सामना कर रहा है। बुनियादी कारण 'कम बारिश' ही नजर आता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सामान्य से करीब 13 फीसदी बारिश कम हुई है। देश के 300 बड़े जलाशयों में पानी बहुत कम है। तालाब तो शहर-दर-शहर सूख चुके हैं। कम बारिश, अनियमित बारिश और अलनीनो के व्यापक प्रभाव के कारण स्थितियां यहां तक पहुंच चुकी हैं कि गोवा में 94.6 से 100 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में करीब 82 फीसदी, पंजाब में करीब 80 फीसदी, कर्नाटक में 76.3 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश में 76.1 फीसदी, तेलंगाना में करीब 76 फीसदी, महाराष्ट्र में 70-84 फीसदी, हरियाणा में करीब 76 फीसदी और बिहार में 70 फीसदी से अधिक इलाके 'सूखा-प्रभावित' माने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में

देश के 300 बड़े जलाशयों में पानी बहुत कम है। तालाब तो शहर-दर-शहर सूख चुके हैं। कम बारिश, अनियमित बारिश और अलनीनो के व्यापक प्रभाव के कारण स्थितियां यहां तक पहुंच चुकी हैं कि गोवा में 94.6 से 100 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में करीब 82 फीसदी, पंजाब में करीब 80 फीसदी, कर्नाटक में 76.3 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश में 76.1 फीसदी, तेलंगाना में करीब 76 फीसदी, महाराष्ट्र में 70-84 फीसदी, हरियाणा में करीब 76 फीसदी और बिहार में 70 फीसदी से अधिक इलाके 'सूखा-प्रभावित' माने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में 358 में से 265 तालुकाओं को 'सूखाग्रस्त' घोषित किया जा चुका है। कर्नाटक ने केंद्र से 11,000 करोड़ रुपए की मदद मांगी है। आंध्रप्रदेश ने भी केंद्र सरकार से मदद के अलावा सबसिडी की गुहार भी लगाई है। भारत में 1871 से 2026 के बीच 27 'सूखे वर्ष' दर्ज किए जा चुके हैं। हालांकि लगातार दो साल सूखा पड़ा हो, ऐसा अपेक्षाकृत दुर्लभ ही रहा है। 2001 के बाद 6 में से 5 सूखे अलनीनो से जुड़े और प्रभावित रहे हैं। मौजूदा संदर्भ में मजबूत अलनीनो का असर 2027 तक बना रह सकता है। बहरहाल सूखे का पहला असर कृषि पर होगा। सोयाबीन, बागवानी और खरीफ की अन्य फसलों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। कई इलाकों में सोयाबीन की फलियों में दाने तक नहीं बन पाए हैं। कृषि से जुड़ा पहला सवाल यह है कि क्या देश में खाद्य-संकट पैदा हो सकता है? क्या अकाल और भुखमरी के हालात भी बन सकते हैं? विशेषज्ञ मान रहे हैं, शेष वह मजदूरी से कमाता है। यह घोर रात्र्यद होगा। भारत में खाद्य-सुरक्षा के अधिकार का कानून है। भारत सरकार गेहूँ, चावल, चना, चीनी और अन्य अनाजों के 'पर्याप्त भंडारों' का दावा करती रही है। सरकार आज भी करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को 'मुफ्त राशन' बांट रही है। बाजार में भी कोई संकट या कमी नहीं है, लिहाजा खाद्य-संकट के तात्कालिक आसार नहीं लगते। जहां तक जीडीपी का सवाल है, असर 2027 तक बना रह सकता है। बहरहाल सूखे का पहला असर कृषि पर होगा। सोयाबीन, बागवानी और खरीफ की अन्य फसलों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। कई इलाकों में सोयाबीन की फलियों में दाने तक नहीं बन पाए हैं। कृषि से जुड़ा पहला सवाल यह है कि क्या देश में खाद्य-संकट पैदा हो सकता है? क्या अकाल और भुखमरी के हालात भी बन सकते हैं? विशेषज्ञ मान रहे हैं कि सूखे के कारण 15,000 से अधिक मौतें हो सकती हैं! यह घोर रात्र्यद होगा! भारत में खाद्य-सुरक्षा के अधिकार का कानून है। भारत सरकार गेहूँ, चावल, चना, चीनी और अन्य अनाजों के 'पर्याप्त भंडारों' का दावा करती रही है। सरकार आज भी करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को 'मुफ्त राशन' बांट रही है। बाजार में भी कोई संकट या कमी नहीं है, लिहाजा खाद्य-संकट के तात्कालिक आसार नहीं लगते।

को औने-पौने दामों पर अपने मवेशी तक बेचने को बाध्य होना पड़ रहा है। देश के करीब 86 फीसदी किसानों के पास औसतन एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। यदि सूखे के कारण उसकी आमदनी प्रभावित होती है, तो घर खर्च, बच्चों की स्कूल फीस, दवा-इलाज, जीवन की अन्य बुनियादी जरूरतों के लिए पैसा कहां से आएगा?

कुछ अलग

दशानन की बातें...

रामलीला

देखकर देर रात घर लौट रहा था। सामने सड़क पर देखा तो एक विशालकाय आदमी मेरी ओर चला आ रहा था। ज्योंही मेरे पास आया तो एक पल को मैं डर गया, लेकिन अगले ही क्षण में संभल गया। मैं पहचान गया कि वह और कोई नहीं दशानन रावण है। मुझे देखकर उहाका लगाया और बोला - “पहचाना, मैं कौन हूँ?” मैं बोला - “आप रावण हैं? कैसे, आज रोड पर आवाजाओं की तरह घूम रहे हो?” रावण बोला- “सर्वत्र मेरा राज है। मैं राज्य के हाल-चाल जानने पैदर ही निकला हूँ।” “लेकिन आपके प्रहरी?” मैंने पूछा। “रावण को किसी प्रकार के प्रहरियों की आवश्यकता नहीं होती। मैं हर मुसीबत से अकेला लड़ सकता हूँ।” रावण ने जवाब दिया। मैंने कहा - “सर, सब जाहद अराजकता है, अमन चैन है नहीं। महंगाई सुरसा की तरह बढ़ती जा रही है। इसलिए आपका राज्य आपके मनोनुकूल चल रहा है।” रावण मेरे मुँह से यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ।

दृष्टि कोण

...तो ऐसे निकलेंगे चैंपियन खिलाड़ी?

हिमाचल

प्रदेश में अभी तक वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिससे रम अपने स्तरा खिलाड़ियों का पलायन रोक सके। जब खिलाड़ी को सुविधा नहीं मिलेगी तो उसे फिर कैसे रोका जा सकता है। कोई भी पढ़ाई या परीक्षा पहले अपने लिए, फिर देश के लिए, मगर खेल केवल व केवल देश के लिए होता है। वहां जब खिलाड़ी जीतता है तो उस देश का झंडा सबसे ऊपर उठता है और उस देश की धुन पूरा विश्व आदर के साथ सुनता है। हिमाचल में ओलिंपियन व एशियाई पदक विजेता मुक्केबाज आशीष चौधरी को उसका विभाग प्रशिक्षण के लिए प्रोत्ती नहीं ख रहा था। बहुत प्रयास करने बाद ही उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा। खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए आठ से दस साल का लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चाहिए होता

है। अगर हम एक सप्ताह भी खेल प्रशिक्षण में बाधा डालते हैं तो फिर हम उसे बहुत ही कठिनाई से पूरा कर पाते हैं। इसलिए केंद्र व राज्य सरकारों के विभाग अपने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण समय को आन द्यूटी मानते हैं, चाहे खिलाड़ी कैप हो या किसी भी ट्रेनिंग सेंटर में। ऐसा प्रावधान सेवा नियमों में भी प्रेजिडेंट महोदय ने रखा है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के कई सुविधा पता नहीं किस पूर्वाग्रह से प्रति्त हैं जो देश के हंडे से जुड़े हुए इस विषय में भी नकारात्मक सोच रखते हैं। जो खिलाड़ी राष्ट्रीय, एशियाई प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर ओलम्पिक तक भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है, अगर उसे ही अपना प्रशिक्षण जारी रखने के लिए सरकार व विभाग की मिन्नतें करनी पड़ रही हैं तो फिर आम खिलाड़ी का क्या होगा?



हिमाचल सरकार को चाहिए कि ओलंपिक, एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों को देखते हुए खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के लिए प्रोत्ती रखा जाए, जैसा केंद्र व राज्यों के विभाग अपने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को रखते हैं। हिमाचल में महिला कबड्डी, हैंडबाल व अन्य कई खेलों में अच्छे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उन्हें भी प्रशिक्षण

के लिए प्रोत्ती रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में सैकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंगंत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाड़ियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। इसका प्रमुख कारण हिमाचल में खेल संस्कृति का न होना है। जो खिलाड़ी कर्मचारी को खेल करने व करवाने

से रोकती है और यह राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इस्का दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंगंतत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षतावान प्रशिक्षक का प्राप्रिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उकृष्ट प्रदर्शन कर सके। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिस से बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। हम पहले भी लिख चुके हैं कि खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं।

देशसेवा का मूल्य किसी पेंशन से नहीं मापा जा सकता। लेकिन सार्वजनिक पदों से जुड़ी पेंशन और सुविधाओं के नियम कितने न्यायसंगत हैं, इस पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक विमर्श का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए राजनीति में आने की इच्छा गलत नहीं है। लोकतंत्र को अच्छे और ईमानदार जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता हमेशा रहेगी। लेकिन राजनीति को केवल व्यक्तिगत भविष्य की सुरक्षा का साधन बना देना निश्चित रूप से एक गंभीर सामाजिक प्रश्न है। आखिरकार, देश को केवल अच्छे नेताओं की ही नहीं, अच्छे वैज्ञानिकों, सैनिकों, शिक्षकों, डॉक्टरों, किसानों, इंजीनियरों और ईमानदार नागरिकों की भी उतनी ही आवश्यकता है। देशसेवा का सबसे बड़ा प्रमाण यह नहीं कि आपने कौन-सा पद प्राप्त किया, बल्कि यह है कि आपने अपने पद पर रहते हुए देश के लिए क्या किया।



डॉ. संतोष गुप्ता

वरिष्ठ वैज्ञानिक

भाकू-अनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी

पंजाब में नशे का तांडव : वर्दी बनी त्रासदी

पंजाब

की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों को आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफ़िया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेवस और अनेक परिवारों को बहववास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ोध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करी को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निम्नपक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज संश्रिष्टक ड्रग्स सहित विभिन्न



मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिवजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारों आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करी को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जप्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह खवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जल्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और

लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जप्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों गिरफ्तार राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मौजूद है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन

देश दुनिया से

राहुल गांधी का सुप्रीम कोर्ट से साक्षात्कार

किसी

विद्वान ने कहा है कि व्यक्ति को केवल किताब से नहीं बल्कि अपने अनुभव से भी सीखना चाहिए। शायद देश में विपक्ष के नेता कहे जाने वाले राहुल गांधी को उनके किसी शुर्भाचंतक ने यह बता दिया है। अब वे अनुभव से सीखने की प्रक्रिया में जुट गए हैं। वैसे भी पुरातन इतिहास के कुछ राजवंशों में ऐसी परंपरा रही है कि वे राजकुमारों, जिन्हें राजकुंवर भी कहा जाता था, को गद्दी देने से पहले उन्हें प्रज में घूम कर अनुभव अर्जित करने के लिए कहते थे। लेकिन वे राजवंश अपने राजकुमारों को सीखने के इस काम में छोटी उम्र में लगाते थे। युवा होते होते वे बहुत कुछ सीख लेते थे। लेकिन नेहरु राजवंश, जिस पर आजकल इस परिवार का आधिपत्य है, ने राहुल गांधी को अनुभव से सीखने के काम में उतारने में बहुत देर कर दी लगती है। राहुल गान्धी की अपनी उम्र भी साठ के आसपास पहुंच गई है। यह साठ साल की उम्र भारत के लोक मनोविज्ञान में बड़ी खतरनाक मानी जाती है। लोक मनोविज्ञान भी किताब पर नहीं बल्कि सहस्राब्दियों के अनुभव पर ही आधारित माना जाता है। इसलिए कम से कम गांव वाले तो इसे प्रामाणिक ही मानते हैं। यदि आदमी बचपन से ही सीखता रहे तो साठ साल तक पहुंचते पहुंचते वह अनुभव ही जाता है और समाज को उसका लाभ मिलता है, लेकिन यदि वह सीखने के संसार में पलायन ही साठ के आसपास करे तो वह प्रहसन की मुद्रा में दिखाई देने लगता है। इसीलिए लोक उक्ति 'सठिया गया' बनी होगी। अब राहुल गान्धी कुछ दिनों से अनुभव के आधार पर सीख रहे हैं। उनका अगला पाठ उच्चतम न्यायालय के बारे में था। वे अपने साथ जो लाल किताब, जिसे वे संविधान कहते हैं,



लेकर घूमते रहते हैं, उसमें उच्चतम न्यायालय जाने की पूरी प्रक्रिया लिखी हुई है। राहुल गान्धी के साथ घूमते रहने वाले कपिल सिब्बल तो उच्चतम न्यायलय जाने की प्रक्रिया अच्छी तरह जानते हैं। मुझे नहीं पता उन्होंने राहुल गान्धी को इसके बारे में कुछ बताया या नहीं। हो सकता है राहुल गान्धी ने उनसे इसके विषय में कुछ पूछा भी या नहीं? लेकिन वे अपनी उस किताब में जिसे वे लेकर घूमा करते हैं, उसमें पढ़ सकते थे कि उच्चतम न्यायालय से कोई बात करनी हो तो उसके लिए याचिका देनी पड़ती है। उसमें वे सभी मुद्दे लिखने पड़ते हैं जिनके बारे में बात करनी है। इतना ही नहीं अपने मुद्दों के बारे में प्रमाण भी देने पड़ते हैं। इतना ही नहीं थोड़ी फीस भी देनी पड़ती है। तब उच्चतम न्यायालय आपको लि्थि बताती है और आपको उस लि्थि को वहां जाकर अपनी बात करनी पड़ती है। इतना ही नहीं जिनके खिलाफ आप मुद्दे उठा रहे हैं उनको भी वहां बुलाया जाता है। वे भी अपनी बात रखते हैं। अपने प्रमाण देते हैं। तब दोनों की बात सुन कर न्यायालय अपना निर्णय देता है। लेकिन राहुल गान्धी तो राजवंश के

चिराग हैं। यह सारी प्रक्रिया तो आम जनता के लिए है। राजवंश तो इन प्रक्रियाओं से कहीं ऊपर हैं। इसलिए राहुल गान्धी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को लिखा, भाई मुझे आपसे कुछ मुद्दों पर चर्चा करनी है, इसलिए सुचित करें कि मैं किस तारीख को आ जाऊं? अब इस चिी का जवाब भला मुख्य न्यायाधीश क्या देते, फिर भी उन्होंने शालीनता दिखाई और राहुल को उच्चतम न्यायालय में आने की प्रक्रिया समझा दी। उधर राहुल गान्धी की सहयोगी केरल कांग्रेस और भी उतावली हो गई। उसने तुरन्त मांग की कि यदि मुख्य न्यायाधीश देश में शान्ति व्यवस्था नहीं बनाए रख सकते तो उन्हें गृहस्त इस्तीफा दे देना चाहिए। केरल कांग्रेस उनको जगह किसी दूसरे व्यक्ति को मुख्य न्यायाधीश बना लेगी। खैर, राहुल गांधी अन्ततः उच्चतम न्यायालय पहुंचे। लेकिन साधारण व्यक्ति की तरह नहीं। पूरा जुलूस लेकर। ट्रक में बैठकर। ट्रक में से किसी को धक्के देकर उतारा जा रहा है। पैदल चलो। किसी को हाथ पकड़ कर ऊपर खींचा जा रहा है। किसी को कोहनी मारी जा रही है, किसी से

राजनीति में आने की होड़ : देशसेवा या सुरक्षित भविष्य?

आज के समय में राजनीति में आने की इच्छा रखने वालों की संख्या लगातार बढ़ती दिखाई देती है। इसका एक कारण सत्ता, प्रतिष्ठा और प्रभाव हो सकता है, लेकिन एक सवाल यह भी उठता है कि क्या राजनीति अब देशसेवा का माध्यम कम और सुरक्षित भविष्य का साधन अधिक बनती जा रही है?

आज कोई युवा वर्षों की कठिन मेहनत के बाद IAS या IPS बनता है। कोई वैज्ञानिक बनने के लिए वर्षों तक पढ़ाई और शोध करता है। कोई डॉक्टर, इंजीनियर या शिक्षक बनकर अपना पूरा जीवन समाज को देता है। सेना, BSF, CRPF और अन्य सुरक्षा बलों के जवान कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। इनमें से बहुत से लोग अपने वर्तमान के साथ-साथ अपने भविष्य की चिंता भी करते हैं, लेकिन फिर भी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते।

विशेष रूप से उन वैज्ञानिकों से पूछिए, जो वर्षों तक प्रयोगशालाओं में शोध करते हैं। सीमित संसाधनों, असफल प्रयोगों और अनिश्चित परिणामों के बावजूद वे किसी फसल की नई किस्म, किसी रोग का उपचार, किसी तकनीक या किसी वैज्ञानिक समाधान की खोज में अपना जीवन लगा देते हैं। उनकी सफलता हमेशा सुर्खियां नहीं बनती। कई बार उनके शोध का लाभ समाज को वर्षों बाद मिलता है। फिर भी वे काम करते रहते हैं।

BSF के जवान से पूछिए, जो देश की सीमा पर कठिन मौसम, दुर्गम परिस्थितियों और परिवार से दूर रहकर अपनी ड्यूटी करता है। उसके लिए देशसेवा कोई भाषण नहीं, बल्कि रोजमर्रा की वास्तविकता है। उसे यह पता नहीं होता कि अगला दिन कैसा होगा, लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी निभाता है।

दूसरी ओर, राजनीति में प्रवेश करने के पीछे कई तरह के उद्देश्य हो सकते हैं। कुछ लोग वास्तव में समाज और देश के लिए काम करना चाहते हैं। ऐसे जनप्रतिनिधियों का लोकतंत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। लेकिन यदि राजनीति को मुख्यतः सत्ता, प्रभाव, सुविधाओं और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा का माध्यम समझा जाने लगे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है क्या देशसेवा केवल राजनीति के रास्ते से ही संभव है?

यदि ऐसा होता, तो वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाएं, सैनिकों की सीमाएं, डॉक्टरों के अस्पताल, शिक्षकों के विद्यालय और किसानों के खेत देशसेवा के उदाहरण कैसे होते?

देशसेवा का मूल्य केवल पद, वेतन या पेंशन से तय नहीं किया जा सकता। वास्तविक देशसेवा वह है जिसमें व्यक्ति अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाता है चाहे उसके सामने सत्ता हो या प्रयोगशाला, संसद हो या सीमा। इसलिए जब समाज राजनीति से जुड़े आर्थिक लाभों पर चर्चा करता है, तो तुलना केवल पेंशन की रकम की नहीं, बल्कि सेवा की अवधि, जिम्मेदारी, जोखिम और भविष्य की सामाजिक सुरक्षा की भी होनी चाहिए।

देशसेवा का मूल्य किसी पेंशन से नहीं मापा जा सकता। लेकिन सार्वजनिक पदों से जुड़ी पेंशन और सुविधाओं के नियम कितने न्यायसंगत हैं, इस पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक विमर्श का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए राजनीति में आने की इच्छा गलत नहीं है। लोकतंत्र को अच्छे और ईमानदार जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता हमेशा रहेगी। लेकिन राजनीति को केवल व्यक्तिगत भविष्य की सुरक्षा का साधन बना देना निश्चित रूप से एक गंभीर सामाजिक प्रश्न है। आखिरकार, देश को केवल अच्छे नेताओं की ही नहीं, अच्छे वैज्ञानिकों, सैनिकों, शिक्षकों, डॉक्टरों, किसानों, इंजीनियरों और ईमानदार नागरिकों की भी उतनी ही आवश्यकता है।

देशसेवा का सबसे बड़ा प्रमाण यह नहीं कि आपने कौन-सा पद प्राप्त किया, बल्कि यह है कि आपने अपने पद पर रहते हुए देश के लिए क्या किया।

एनएमडीसी सतर्कता कार्यक्रम में एनएसएल पोर्टल, क्वार्टर प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी के सतर्कता विभाग द्वारा शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित एक क्षमता-निर्माण कार्यक्रम में एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) के लिए एक सतर्कता पोर्टल, कर्मचारी आवास के लिए एक ऑनलाइन क्वार्टर प्रबंधन प्रणाली और एनएमडीसी सतर्कता मैनुअल, 2026 के दूसरे संस्करण का अनावरण किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में पारदर्शिता, जवाबदेही और साइबर सुरक्षा को मजबूत करना था। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सतर्कता आयुक्त श्री प्रवीण वशिष्ठ ने ईमानदार अधिकारियों की रक्षा करते हुए सुव्यवस्थित सतर्कता दिशानिर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।



उन्होंने जोखिम-आधारित निरीक्षण, प्रणालीगत सुधार और समय पर जांच के माध्यम से निवारक सतर्कता में मुख्य सतर्कता अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला, साथ ही व्यावसायिक दक्षता में बाधा डाले बिना जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने की प्रेरणा दी। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि कंपनी का स्थिरता प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय खनन कंपनियों की तुलना में बहुत सकारात्मक है, जो जिम्मेदार खनन के प्रति कंपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने एनएमडीसी के रिकॉर्ड लौह अयस्क उत्पादन, नए खनिज

खनन संपदाओं में विस्तार और अपने परिचालन इकाइयों के आसपास के समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एनएमडीसी द्वारा अपनाई जा रही नैगम सामाजिक दायित्व की पहलों पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 18 सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के विद्युत बोर्डों के 113 अधिकारियों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम के सत्रों में शिकायत प्रबंधन मेकानिज्म, सतर्कता से संबंधित स्वीकृतियाँ, सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) और साइबर सुरक्षा की नई विशेषताएँ तथा साइबर स्वच्छता पर विशेष प्रकाश डाला गया और इन विषयों पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया गया है।

कार्यक्रम में श्री नितिन कुमार, संयुक्त सचिव, सीवीसी, श्री कंवलप्रीत, अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जीईएम और सुश्री इंद्रावनी चेबोलू, वैज्ञानिक-एफ और एसोसिएट डायरेक्टर, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), हैदराबाद ने अपने विशेष अनुभव का साझा करते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान संवाद व चर्चाओं में प्रोक्यूरमेंट के मामलों में पारदर्शिता, उभरते साइबर सुरक्षा की खतरों और जीईएम कार्यक्षमताओं के प्रभावी उपयोग को शामिल किया गया। युवा छात्रों में नैतिकता और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी द्वारा आयोजित किए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत संपन्न विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीतने वाले स्कूली छात्रों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

मिधानि में हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), हैदराबाद में हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह बड़े उत्साह व उमंग के साथ संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता कर रहे उद्यम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़ा हमारे देश की भाषायी विविधता का उत्सव है। हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी के साथ-साथ भारत की अन्य एकीकृत भाषाएँ भी शामिल हैं। इसीलिए यह उत्सव उन सभी भाषाओं का उत्सव भी है। इतने वर्षों में हिंदी हम सबको एक सूत्र में पिरोने वाली कड़ी के रूप में उभरी है। मैं मानता हूँ कि अपनी मातृभाषा से प्रेम करना अत्यंत आवश्यक है और मुझे अपनी तेलुगु भाषा पर गर्व है। पर साथ ही, हिंदी को अपनाया मुझे अपने देश के अन्य हिस्सों से और निकटता से जोड़ता है। महात्मा गांधी ने हिंदी को जनभाषा कहा था और यह बात आज भी उतनी ही सत्य है। स्वतंत्रता संग्राम में भी हिंदी ने अलग-अलग प्रांतों के लोगों को एक मंच पर लाने का कार्य किया। जब हम अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी को भी सहजता से अपनाते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में विविधता में एकता के उस भाव को जी पाते हैं, जिस पर हमारा देश खड़ा है। अवसर पर उद्यम के निदेशक (वित्त) के. मधुबाला ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी दिवस जैसे कार्यक्रम में मिधानि में हिंदी कार्यान्वयन को गति प्रदान करने में काफी सार्थक सिद्ध हुए हैं। निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू ने मिधानि में हिंदी के



प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंदी प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से मिधानि के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी भाषा सिखाने का जो प्रयास किया जा रहा है वह सराहनीय है।

अवसर पर माननीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री के संदेशों का वाचन किया गया। समापन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के लिए लॉटरी प्रणाली के

माध्यम से विभिन्न मनोरंजक खेल आयोजित किए गए। हिंदी पखवाड़े दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं और जुलाई 2026 में आरंभ किए गए हिंदी मासिक प्रतियोगिताओं के विजेता को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। अवसर पर हिंदी शिक्षण योजना द्वारा संचालित पाठ्यक्रम पारंगत की परीक्षा सफलता पूर्वक पास करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा व दायित्व प्रमाणपत्र दिए गए। अवसर पर सीएमसी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति व

राजभाषा कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व राष्ट्रीय गीत वंदनांतरम् से हुआ और समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग के अनुवादक डॉ. विकास आजाद, कर्मचारी जयपाल, प्रेम और नरेंद्र गांधी का सक्रिय योगदान रहा कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने किया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को पुष्पांजलि अर्पित



हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर भाजपा राज्य कार्यालय, नामपल्ली, हैदराबाद में समारोहपूर्वक उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में विधायक पायल शंकर एवं शबाना मोमिन भी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष के बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने अपनी टीम, कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों के साथ डॉ. कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की। एन. रामचंद्र राव ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम असाधारण वैज्ञानिक, प्रेरणादायी पूर्व राष्ट्रपति और सच्चे देशभक्त थे। उनके योगदान ने भारत की वैज्ञानिक एवं रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन सादगी, समर्पण, विनम्रता और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था।

सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि डॉ. कलाम की जयंती पर उनकी असाधारण विरासत को नमन करते हुए ज्ञान, नवाचार, राष्ट्रसेवा एवं राष्ट्रनिर्माण के उनके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई जाए। उन्होंने सभी से मिलकर डॉ. कलाम के सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।



अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना

301, Raghav Ratna Tower, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad

SM

Regd. No.: 160/98



सर्वे भवन्तु सुखिनः

मानव सेवा ही माधव सेवा है

महाराजा श्री अग्रसेनजी का 5150वाँ जयन्ती महोत्सव - 2026 के अंतर्गत



अग्रवाल के लिए अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित

PRIZES & GIFTS WORTH ₹1 CRORE

500+ Prizes & Gifts

19 OCT GRAND FINALE

King & Queen • Prince & Princess • Angel & Fairy

Entry for All Agarwal Samaj Telangana Members

PRIVILEGE CARD MANDATORY - FIRST COME FIRST SERVE

Today's Star Attraction



Nidhi Agarwal
Cine Actress



Poornima Tiwari Shobhinaw Satyaa
Hanuman Ansh Fame

निधि अग्रवाल आज 17 अक्टूबर, शनिवार को खेलेंगे डांडिया और गरबा, क्लासिक 3 में उपस्थित हर अग्रवाल महिला, पुरुष, युवा और बच्चों के साथ

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित अग्र डांडिया उत्सव में आज सिने अभिनेत्री निधि अग्रवाल एवं सिने अभिनेत्री पूर्णिमा तिवारी सिने अभिनेता शोभिनाव सत्या की विशेष उपस्थिति रहेगी। आइए, इस रंगारंग उत्सव में डुप्लीकेट अमिताभ बच्चन के साथ डांडिया की धूम मचाएँ और सिने अभिनेत्री निधि अग्रवाल से मिलने का सुनहरा अवसर पाएँ।

नौ दिवसीय उत्सव

नौ रातें - एक समाज - एक भव्य महोत्सव

11-19 Oct., 2026

Classic Convention 3

Shamshabad, Hyderabad

Dandiya & Garba

Hiral Kamani Garg & Krishna Chauhan

Presents **"TAAL"**

Mumbai's Famous Garba & Disco Dandiya 30 Member Band



A Complete Family Celebration

17 OCT

Festivals of India

26 Daily Awards

15 Daily Surprise Gifts

- Best Dress • Best Garba • Best Dandiya
- Separate Male & Female Awards
- Ages 0-5: Best Dress Only Non-Stop Garba & Dandiya
- 8 Award Days Dates announced by organisers.

Other prize competition participants cannot enter this round.

Powered By





In Association With





In Co Association With





Gold Sponsors





Silver Sponsors





Bronze Sponsors





Digital Marketing Partner



Streaming Partner



Digital Marketing Partner



Catering Partner



Event Partner



Photography Partner



Banking Partner



Hospital & Ambulance Partner



Pujan Ancharya



पदाधिकारीगण									
अनिरुद्ध गुप्ता अध्यक्ष	नरेंद्र कुमार गोयल कार्यकारी अध्यक्ष	सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल उपाध्यक्ष	डॉ. सीमा जैन मानद मंत्री	प्रतीक कुमार नारसरिया सह मंत्री	सीए राजगोपाल अग्रवाल कोषाध्यक्ष	अध्यक्ष अग्र डांडिया सुरेश अग्रवाल (CSK)	संयोजक अग्र डांडिया प्रवीण अग्रवाल	सहसंयोजक-अग्र डांडिया हर्ष सौथलिया	जयंती उत्सव मीडिया प्रभारी डॉ दिलीप पंसारी
								अल्का मिण्डा	डॉ स्वाति गोयल

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabbh@gmail.com.